जन सम्पर्क प्रकोष्ठ

राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर

Phone: 0151-2543419 (O) 2549348 (Fax) E-mail: prcrajuvas@gmail.com

प्रो. राजेश कुमार धूड़िया
समन्वयक
9079635136

डॉ. देवीसिंह राजपूत
सह–समन्वयक
9461014303

क्रमांक 287 **24 सितम्बर, 2019**

प्रेस–विज्ञप्ति

वेटरनरी विश्वविद्यालय और कृषि की आत्मा परियोजना के तहत पशुपालन से आय में वृद्धि के लिए 30 किसानों का प्रशिक्षण सम्पन्न

बीकानेर, 24 सितम्बर। वेटरनरी विश्वविद्यालय और कृषि की "आत्मा" परियोजना के तत्वावधान में पशुपालन से आय में वृद्धि विषय पर कृषकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण मंगलवार को संपन्न हो गया। राजुवास के पशुधन चारा संसाधन प्रबन्धन एवं तकनीक केन्द्र के मुख्य अन्वेषक डॉ. दिनेश जैन ने बताया कि पशुपालन आय में वृद्धि की उन्नत तकनीकों के बारे में विषय विशेषज्ञों की वार्ताएं आयोजित की गई। प्रशिक्षण में लूणकरनसर तहसील के 30 कृषक शामिल हुए। इस शिविर के समापन सत्र में निदेशक पी.एम.ई., राजुवास की प्रो. अन्जु चाहर ने पशुपालकों का बताया कि वे अपने पशुओं को कृमिनाशी दवा का सेवन अवश्य कराएं जिससे कि पशुओं के दुग्ध उत्पादन में कमी नहीं आयेगी। उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक "आत्मा" डॉ. राजेश कुमार नेनावत ने बताया कि कृषि क्षेत्र की आय को दुगुना करने के लिए हमें पशुपालन तथा खेती में लागत कम करने तथा उत्पादन बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होनें प्रशिक्षणार्थियों को खेती की लागत कम करने के उपाय जैसे कि मृदा जाँच, बीजोपचार तथा फसल चक्र अपनाने को कहा। नाबार्ड के जिला विकास प्रबन्धक श्री रमेश ताम्बिया ने नाबार्ड की सहायता एवं योजनाओं की जानकारी दी। नेस्ले कम्पनी के क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री अहमद फजील तथा डॉ. राहुल जाँगिड़ भी उपस्थित रहे। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में राजुवास के डॉ. राधेश्याम आर्य, डॉ. राजेश नेहरा, डॉ. तारा बोथरा, डॉ. विरेन्द्र नेत्रा, टीचिंग एसोसिएट दिनेश आचार्य तथा महेन्द्र सिंह मनोहर द्वारा इस शिविर में व्याख्यान दिये गये। प्रश्नोत्तरी विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गये जिसमें प्रथम पुरस्कार गोपालराम, द्वितीय पुरस्कार प्रभुराम तथा ततृीय पुरस्कार रूपाराम को दिया गया।

सह–समन्वयक
जनसम्पर्क प्रकोष्ठ